



Aman



Garima

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121293101

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
10/02/1999 :	जन्म तिथि	: 17-18/08/1997
बुधवार :	दिन	: रवि-सोमवार
घंटे 10:00:00 :	जन्म समय	: 04:45:00 घंटे
घटी 08:23:48 :	जन्म समय(घटी)	: 57:32:48 घटी
India :	देश	: India
Durg :	स्थान	: Baloda Bazar
21:12:00 उत्तर :	अक्षांश	: 21:40:00 उत्तर
81:20:00 पूर्व :	रेखांश	: 82:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:04:40 :	स्थानिक संस्कार	: -00:01:20 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:38:28 :	सूर्योदय	: 05:40:00
17:59:00 :	सूर्यास्त	: 18:30:22
23:50:31 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:49:25
मेष :	लग्न	: कर्क
मंगल :	लग्न लग्नाधिपति	: चन्द्र
वृश्चिक :	राशि	: मकर
मंगल :	राशि-स्वामी	: शनि
अनुराधा :	नक्षत्र	: धनिष्ठा
शनि :	नक्षत्र स्वामी	: मंगल
4 :	चरण	: 1
व्याघात :	योग	: शोभन
वणिज :	करण	: विष्टि
ने-नैनसुख :	जन्म नामाक्षर	: गा-गामिनी
कुम्भ :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: सिंह
विप्र :	वर्ण	: वैश्य
कीटक :	वश्य	: जलचर
मृग :	योनि	: सिंह
देव :	गण	: राक्षस
मध्य :	नाड़ी	: मध्य
सर्प :	वर्ग	: मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

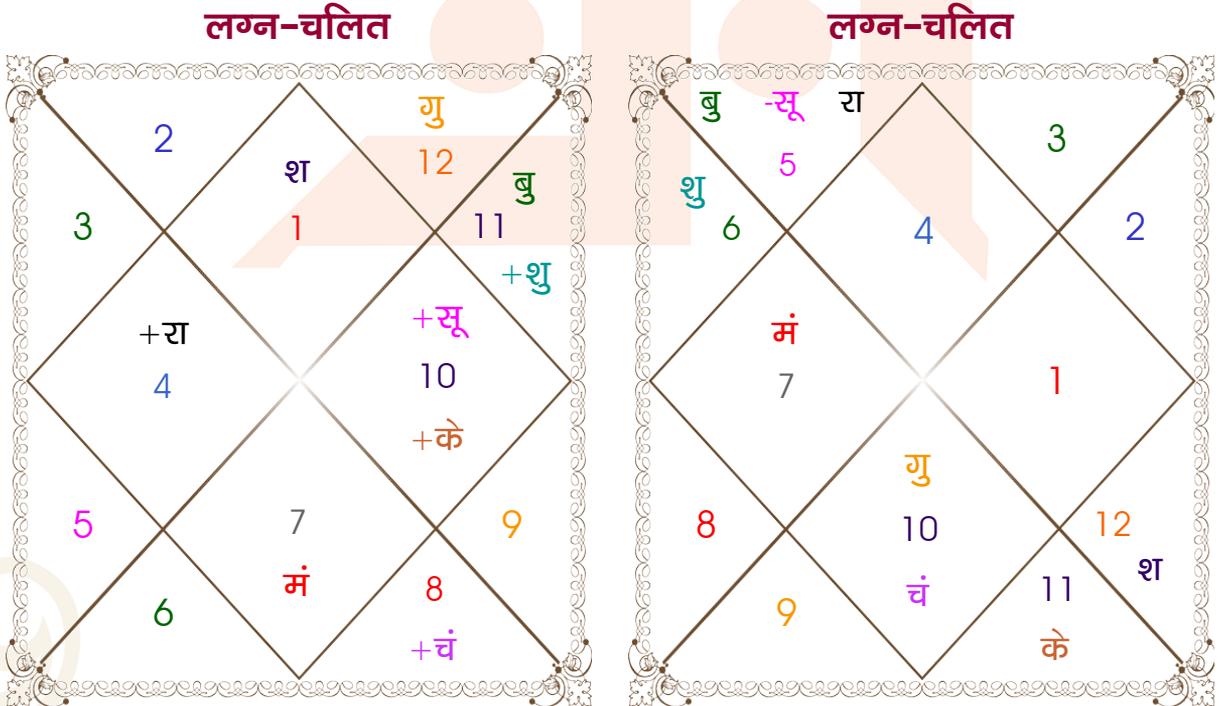
विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 1वर्ष 6मा 29दि	00:15:04	मेष	लग्न	कर्क	18:04:19	मंगल 6वर्ष 5मा 14दि
शुक्र	27:08:00	मक	सूर्य	सिंह	01:14:29	गुरु
09/09/2024	15:33:26	वृश्चि	चंद्र	मक	24:22:14	31/01/2022
09/09/2044	11:37:23	तुला	मंगल	तुला	08:24:16	31/01/2038
शुक्र 10/01/2028	01:41:28	कुंभ	बुध व	सिंह	22:24:25	गुरु 20/03/2024
सूर्य 09/01/2029	05:32:05	मीन	गुरु व	मक	22:05:23	शनि 02/10/2026
चन्द्र 10/09/2030	21:42:41	कुंभ	शुक्र	कन्या	06:36:33	बुध 06/01/2029
मंगल 10/11/2031	04:32:35	मेष	शनि व	मीन	26:18:39	केतु 13/12/2029
राहु 10/11/2034	28:18:27	कर्क व	राहु व	सिंह	26:01:54	शुक्र 13/08/2032
गुरु 11/07/2037	28:18:27	मक व	केतु व	कुंभ	26:01:54	सूर्य 02/06/2033
शनि 09/09/2040	19:23:28	मक	हर्ष व	मक	12:07:35	चन्द्र 02/10/2034
बुध 11/07/2043	08:43:10	मक	नेप व	मक	04:01:49	मंगल 07/09/2035
केतु 09/09/2044	16:22:01	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:00:37	राहु 31/01/2038

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

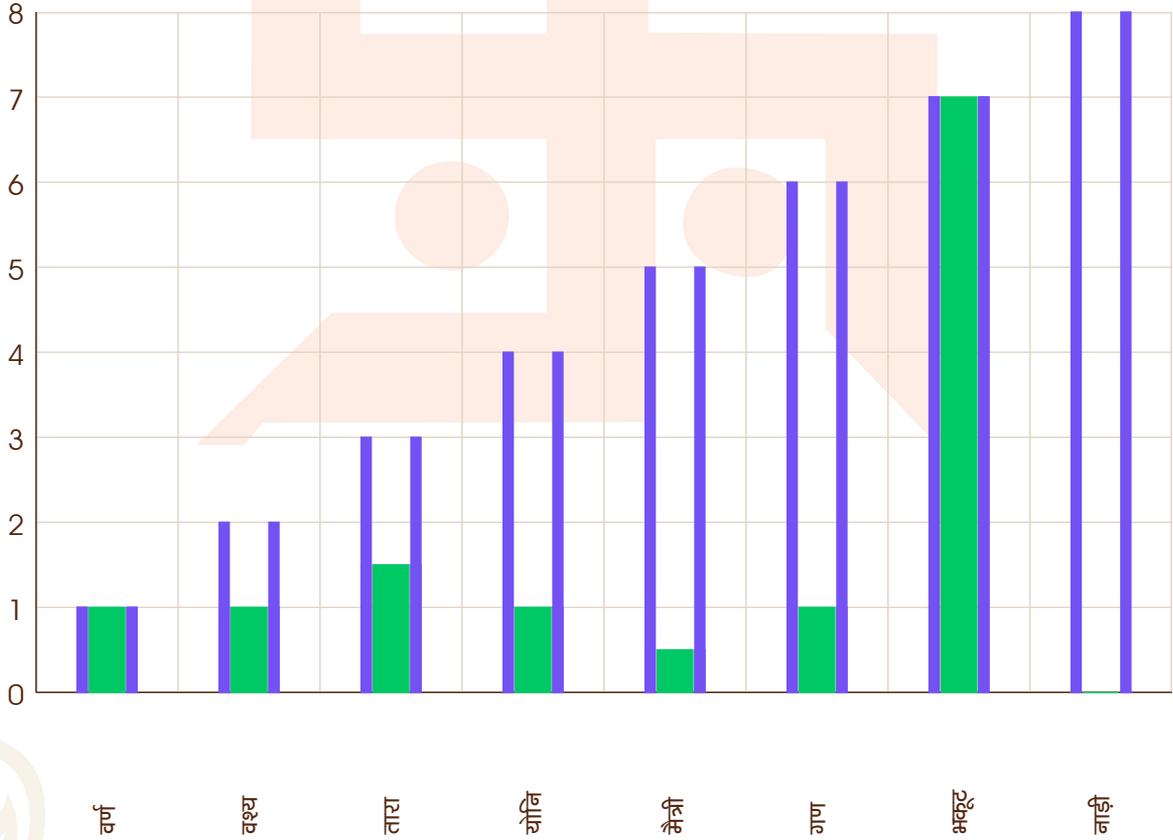
23:50:31 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:25



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

कुल : 13 / 36



अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Aman का वर्ग सर्प है तथा Garima का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Aman और Garima का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Aman मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Garima मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।**

यदि एक की कुण्डली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुण्डली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Aman की कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Aman तथा Garima में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Aman का वर्ण ब्राह्मण तथा Garima का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Garima सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। Garima मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

Aman का वश्य कीट है एवं Garima का वश्य जलचर है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवं कीट आपस में न तो मित्र होते हैं और न ही शत्रु। अतः कीट Aman एवं जलचर Garima के बीच वैवाहिक संबंध उदासीनता तथा प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। जिसके कारण इनका जीवन नीरस हो सकता है। अधिकांश समय दोनों समझौता करके तालमेल बनाने में व्यतीत करेंगे किंतु इंक मारना कीट का नैसर्गिक स्वभाव होता है अतः Aman यदा-कदा अस्वाभाविक व्यवहार कर सकता है जिससे Garima शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से आहत हो सकती है।

तारा

Aman की तारा क्षेम तथा Garima की तारा वध है। Garima की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह Aman एवं Garima दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Garima अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

Aman की योनि मृग है तथा Garima की योनि सिंह है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी-कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति

को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Aman का राशि स्वामी Garima के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Garima का राशि स्वामी Aman के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Aman का गण देव तथा Garima का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में Garima निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। Garima की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

Aman से Garima की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Garima से Aman की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Aman अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Garima सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

Aman की नाड़ी मध्य है तथा Garima की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Aman एवं Garima का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Aman की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि तथा Garima की पृथ्वी तत्व युक्त मकर राशि है। जल एवं पृथ्वी तत्व में समानता के कारण Aman और Garima के मध्य स्वाभाविक समानताएं विद्यमान रहेंगी फलतः इनका वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा।

Aman की जन्म राशि का स्वामी मंगल तथा Garima की राशि का स्वामी शनि परस्पर शत्रु एवं समराशि में स्थित है। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से Aman और Garima एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर संबंधों में तनाव तथा कटुता में वृद्धि होगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति श्रेष्ठता एवं आलोचनात्मक दृष्टि कोण भी रहेगा। अतः यदि Aman और Garima परस्पर सामंजस्य की प्रवृत्ति से व्यवहार करें तो इसमें किंचित शुभता आ सकती है।

Aman एवं Garima की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके शुभ प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम स्नेह तथा समर्पण के भाव की उत्पत्ति होगी जिससे संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करेंगे। अतः Aman और Garima का वैवाहिक जीवन सुख एवं शांति पूर्वक व्यतीत होगा।

Aman का वश्य कीट तथा Garima का वश्य जलचर है। कीट एवं जलचर के मध्य नैसर्गिक समता होने के कारण Aman और Garima की अभिरुचियां समान होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताओं में भी समता रहेगी। अतः दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे।

Aman का वर्ण ब्राह्मण तथा Garima का वर्ण वैश्य है। अतः इनकी कार्य क्षमताएं समान होंगी। Aman की प्रवृत्ति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य कलापों के प्रति रहेगी तथा Garima धनार्जन संबंधी कार्यों में रुचिशील होंगी। फलतः इनका कार्य क्षेत्र सुदृढ़ता से युक्त रहेगा।

धन

Aman और Garima की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Aman और Garima की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Garima एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सटटे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पत्ति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना

जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Aman और Garima एक ही नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः नाड़ी दोष का इन पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे इनको स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। साथ ही मंगल भी दोनों के स्वास्थ्य को प्रभावित करेगा जिससे वे रक्त एवं पित्त संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। वे उदर संबंधी कष्ट से भी यदा कदा असुविधा प्राप्त करेंगे। मंगल के प्रभाव से भी इनका स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से पीड़ित रहेंगे एवं रक्तपित्त का भी प्रकोप रहेगा। साथ ही काम संबंधों में भी शिथिलता तथा उदासीनता के भाव से Aman और Garima असन्तुष्ट रहेंगे। अतः ऐसी स्थिति में विवाह नहीं करना चाहिए तथापि उपरोक्त फलों में न्यूनता के लिए हनुमानजी का पूजन तथा मंगलवार के उपवास करने से किंचित शुभता रहेगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Aman और Garima का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Aman और Garima के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Garima के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Garima को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Garima को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Aman और Garima सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Aman और Garima का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Garima के सास से प्रायः अच्छे संबंध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Garima के लिए अनुकरणीय हो सकते हैं। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Garima अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबंध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल

रहेंगी।

इस प्रकार Garima के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Aman के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Aman अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Aman के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Aman के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।